संपादकीय

हिंसा पर सख्ती

कोलकाता में अमित शाह के रोड शो को रोकने के प्रयास में हुए उपद्रव के बाद पश्चिम बंगाल में जो हाई वोल्टेज राजनीतिक घटनाक्रम घूमा, उसने कई सवालों को जन्म दिया। कमोबेश पश्चिम बंगाल में चुनाव के हर चरण के दौरान राजनीतिक हिंसा सामने आई है। पश्चिम बंगाल की राजनीति की फितरत रही है जब भी कोई नई राजनीतिक शक्ति स्थापित राजनीतिक दल को चुनौती देती है तो प्रतिक्रिया राजनीतिक हिंसा के रूप में सामने आती है। सत्तर के दशक में वामपंथियों के उद्भव के दौरान भी और जब नब्बे के दशक के अंतिम वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने वामपंथियों का गढ़ छीनना शुरू किया, तब भी। अब वही स्थापित तृणमूल कांग्रेस भाजपा से मिलने वाली चुनौती को दोहरा रही है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने सख्ती दिखाते हुए चुनाव प्रचार अभियान चौबीस घंटे पहले खत्म करने की घोषणा कर दी है और राज्य सरकार के दो बड़े आला अफसरों एडीजी (सीआईडी) राजीव कुमार और प्रधान सचिव (गृह) अत्रि भट्टाचार्य को तत्काल प्रभाव से हटाया भी है। निश्चय ही यह ममता सरकार के लिये बड़ा झटका है। लेकिन सवाल यह है कि रोड शो के दौरान उपजे विवाद के बाद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह द्वारा राज्य चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े करने पर ही चुनाव आयोग ने सक्रियता क्यों दिखायी? उससे पहले हुई हिंसा की घटनाओं पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग के मोदी व शाह के इशारे पर काम करने के आरोप लगाती हैं तो चुनाव आयोग की साख पर भी आंच आती है। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि चुनाव प्रचार पर पाबंदी लागू करने में एक दिन की ढील का क्या औचित्य है? क्या बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो रैलियों के समय को देखकर यह फैसला लिया गया? चुनाव आयोग पर विपक्षी दलों को तरजीह न देने के भी आरोप लगाये जा रहे हैं।

दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ने और हालिया पंचायत चुनाव परिणामों में हाथ लगी सफलता को लेकर भाजपा पश्चिम बंगाल में ज्यादा महत्वाकांक्षी हो चली है। वह कोशिश में है कि बढ़े जनाधार को वोट में बदला जाये। आखिरी चरण की जिन नौ सीटों पर चुनाव होना है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के पास रही हैं, जिनमें से भाजपा कुछ सीटें छीनने की जुगत में है। जिसके लिये मोदी-शाह की जोड़ी ने पूरी ताकत झोंक दी है। ममता बनर्जी भाजपा को बाहरी बतलाकर हमलावर है। दरअसल, जिस इलाके से रोड?शो गुजरना था, वहां हिंदी भाषियों का बाहुल्य बताया जाता है। जिसमें भाजपा की पैठ न बन सके, इसलिये सुनियोजित ढंग से हिंसा हुई। लेकिन मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शासन-प्रशासन ने सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये थे। घटना के बाद भाजपा ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं को राजनीतिक दुराग्रह से गिरफ्तार करने की शिकायत चुनाव आयोग से की थी। जिसके चलते पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारियों पर चुनाव आयोग की गाज गिरी। दरअसल, अमित शाह के शहरी मतदाताओं में सेंध लगाने के प्रयास तृणमूल कांग्रेस को रास नहीं आये। जिसके प्रतिक्रिया स्वरूप यह हिंसा की घटना सामने आई। लेकिन इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस को प्रतिद्वंद्वी दल के राजनीतिक कार्यक्रम को बाधित न करने की परंपरा का पालन करना चाहिए था। यदि ऐसा किया जाता तो अप्रिय विवाद से बचा जा सकता था। इस घटनाक्रम के बीच में उन्नीसवीं सदी के बड़े समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की मूर्ति को खंडित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिसके लिये दोनों दल एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। ममता बनर्जी इसे बंगाली अस्मिता से जोड़कर बाहरी लोगों द्वारा कृत्य करने का आरोप लगा रही हैं, जिसका भाजपा को राजनीतिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

इंडियन ऑयल की कमाई छह लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का राजस्व गत 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2018-19 में पहली बार छह लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया।

कंपनी के निदेशक मंडल की हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गयी। बैठक के बाद कंपनी के अध्यक्ष संजीव सिंह ने यहाँ संवाददाताओं को बताया कि पिछले वित्त वर्ष में एकल तथा समग्र दोनों आधारों पर कंपनी का कुल राजस्व छह लाख करोड़ रुपये के पार रहा। एकल आधार पर उसकी कमाई वित्त वर्ष 2017-18 के 5,09,842.21 करोड़ रुपये से 19.46 प्रतिशत बढ़कर 6,09,052.28 करोड़ रुपये पर पहुँच गयी। समग्र आधार पर उसका कुल

राजस्व 5,18,961.77 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,19,957.12 करोड़ रुपये हो गया।

सिंह ने बताया कि इसके बावजूद बीते वित्त वर्ष कंपनी का मुनाफा कम हुआ। समग्र आधार पर उसका शुद्ध मुनाफा 22,626.35 करोड़ रुपये से 23.66 प्रतिशत घटकर 17,273.85 करोड़ रुपये रह गया। उन्होंने कहा कि इसका कारण इनवेंटरी की कीमतों में नकारात्मक बदलाव और रुपये के विनिमय दर में बदलाव के मद में हुआ नुकसान रहा। गत 31 मार्च को समाप्त पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही कंपनी के लिए अच्छी रही। इस दौरान समग्र आधार पर उसका शुद्ध मुनाफा 5,527.46 करोड़ रुपये से 8.62 फीसदी बढ़कर 6,003.96 करोड़ रुपये पर पहुँच गया। तिमाही के दौरान एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ 16.89 प्रतिशत बढ़कर 6099.27 करोड़ रुपये रहा। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए शेयरधारकों को एक रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की भी मंजूरी दी है। इससे पहले वित्त वर्ष के 8.25 करोड़ रुपये का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया जा चुका है।

बढ़ी लागत का बोझ ग्राहकों पर नहीं डालेगी इंडियन ऑयल

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने कहा कि मौजूदा बीएस-4 ईंधन की जगह अगले साल से अनिवार्य बीएस-6 ईंधन के उत्पादन पर आने वाली अतिरिक्त लागत का बोझ वह ग्राहकों पर नहीं डालेगी। इंडियन ऑयल के अध्यक्ष संजीव सिंह ने आज यहाँ वित्तीय परिणामों की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के उत्तर में कहा नहीं, हम बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों पर नहीं डालेंगे। उन्होंने बताया कि तेल शोधन संयंत्रों को बीएस-6 के उत्पादन के लिए तैयार करने का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। दिल्ली-एनसीआर और इसके आसपास के 12 जिलों में बीएस-6 ईंधन की आपूर्ति शुरू कर दी गयी है। सिंह ने बताया कि अगले साल 01 अप्रैल से पूरे देश में सिर्फ भारत स्टेज (बीएस)-6 मानक के ईंधनों की बिक्री होगी। इसके लिए कंपनी ने अनुसंधान एवं विकास तथा संयंत्रों में बदलाव पर 1,600 करोड़ रुपये का पूँजीगत निवेश किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले साल तय समय तक उसके सभी पेट्रोल पंपों पर बीएस-6 ईंधन उपलब्ध होंगे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में चुनावी असर, दूसरे दिन फिर घटे दाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में लगातार दूसरे दिन कटौती की। हालांकि डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। एक दिन पहले डीजल के दाम में मामूली वृद्धि की गई थी।

उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में आई तेजी पर ब्रेक लग गया है लेकिन बेंट्र क्रूड का भाव अभी भी 72 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बना हुआ है। ऐसे में संभावना है कि चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम में फिर वृद्धि का सिलसिला शुरू हो। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में रविवार को सात राज्यों की 59 संसदीय सीटों के लिए रविवार को मतदान होगा।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, शनिवार को दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 71.03 रुपये, 73.11 रुपये, 76.64 रुपये और 73.72 रुपये प्रति लीटर हो गए। हालांकि चारों महानगरों में डीजल के दाम पूर्ववत क्रमशः 65.96 रुपये, 67.71 रुपये, 69.11 रुपये और 69.72 रुपये प्रति लीटर पर बने हुए हैं।

एनपीए में कमी के लिए आरबीआई के अधिकार बढ़ा सकती है सरकार, बना रही ये प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ऋण शोधन अक्षमता और दिवाला संहिता (आईबीसी) के तहत बैंकों की दबाव वाली संपत्ति यानी फंसे कर्ज से निपटने को लेकर आरबीआई (आरबीआई) को पर्याप्त रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को देखते हुए सरकार यह कदम उठा रही है। अपने आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्रीय बैंक के 12 फरवरी 2018 के परिपत्र को खारिज कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि दबाव वाली संपत्ति पर जारी 12 फरवरी का परिपत्र से एनपीए से निपटने के संदर्भ में बैंकों के बीच अनुशासन आया है और अपनी समझ के हिसाब से कार्य करने की जो स्वतंत्रता थी, वह समाप्त हो गयी है।

उसने कहा कि लेकिन परिपत्र थोड़ा सख्त था और हर क्षेत्र इसका हिस्सा था। परिपत्र की संसदीय समिति समेत कई पक्षों ने काफी आलोचना की। पिछले महीने उच्चतम न्यायालय ने परिपत्र को रद्द कर दिया और इसे गैर-कानूनी करार दिया। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद कर्ज लौटाने में चूक की स्थिति में आईबीसी के तहत मामले को हर हाल में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) को भेजने की व्यवस्था अब उपलब्ध नहीं है।

नंबर-4 की चुनौती लेने को तैयार हूं: केएल राहुल

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय वर्ल्ड कप टीम के रिजर्व ओपनर केएल राहुल ने भले ही खुलकर नहीं कहा लेकिन संकेत दिया है कि वह वर्ल्ड कप में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए तैयार हैं। बल्लेबाजी क्रम को लेकर काफी समय से बहस चल रही है कि चौथे नंबर पर कौन उतरेगा। ऐसे में राहुल और विजय शंकर के नाम सामने हैं। राहुल ने कहा, चयनकर्ताओं ने साफ कर दिया है। मैं टीम का हिस्सा हूं और जहां टीम चाहेगी, बल्लेबाजी करूंगा।

दिल्ली के जैना ग्रुप ने सैंसुई और नाकामिची के साथ किया करार

नई दिल्ली (आरएनएस)। कार्बन मोबाइल का मालिकाना हक रखने वाली दिल्ली स्थित कम्पनी जैना ग्रुप ने जापानी की दिग्गज कंपनी सैंसुई और नाकामिची के साथ करार किया है। कम्पनी ने कहा है कि स्मार्ट एलईडी टीवी, होम ऑडियो सिस्टम, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, छोटे रसोई उपकरण और स्प्लिट एयर कंडीशनर सहित उत्पादों की एक श्रृंखला के वितरण के लिए यह करार किया गया है। ये उत्पाद ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर भी उपलब्ध होंगे। एक डिस्ट्रीब्यूशन हाउस के रूप में शुरू हुई दिल्ली की कंपनी (जैना ग्रुप) देश

में कई वैश्विक ब्रांडों जैसे एचटीसी, मोटोरोला, सैमसंग, सीमंस, पैनासोनिक और फिलिप्स (एलसीडी डिवाइस) का प्रतिनिधित्व करती है।जैना ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रदीप जैन ने कहा, डिजिटल क्रांति में 23 साल की उत्कृष्टता के साथ जैन ग्रुप देश में इन ब्रांडों के लिए एक मजबूत बिंदु होगा। इन अधिग्रहणों के साथ हम भारतीय बाजार में आला ब्रांडों के आत्मीयता के पुनर्निर्माण और प्रवर्धन के बारे में आशावादी हैं।

भारतीय हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-5 से हारी

पर्थ (आरएनएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने विश्व में नंबर दो ऑस्ट्रेलिया के हाथों 2-5 की शिकस्त के साथ यहां अपने ऑस्ट्रेलियाई दौरे का अंत किया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ट्रेंट मिटन (11वें और 24वें मिनट), फ्लिन ओगिलवी (तीसरे मिनट), ब्लैक गोवर्स (28वें मिनट) और टिम ब्रांड (43वें मिनट) ने गोल किए। भारत के लिए नीलकांत शर्मा (12वें) और रूपिंदरपाल सिंह (53वें मिनट) ने गोल दागे।

भारत को शुरू में मौका मिला था लेकिन एडी ओकेनडेन ने उसका बचाव कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने जवाबी हमला किया जिस पर भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने नाकाम कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि तीसरे मिनट में ही गोल करके बढ़त हासिल कर ली। भारत को आठवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे नीलकांत ने खराब कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया को दसवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारत ने उस पर गोल नहीं होने दिया लेकिन अगले मिनट में मिटन ने भारतीय रक्षकों की गलती का फायदा उठाकर स्कोर 2-0 कर दिया। भारत ने हालांकि तुरंत ही मौका बनाया। गुरशाहबजीत ने सर्किल में पास दिया और मिडफील्डर नीलकांत उस पर गोल करने में सफल रहे।

दूसरे हाफ के शुरू में भारत ने गेंद पर अधिक कब्जा रखा। उसे 23वें मिनट में मौका मिला था लेकिन विवेक सागर प्रसाद के पास पर मनदीप सिंह गोल नहीं कर पाये। इसके बाद हालांकि मिटन ने अपना दूसरा और ऑस्ट्रेलिया के लिये तीसरा गोल दाग दिया।

वर्ल्ड कप से पहले भारत को राहत, केदार जाधव हुए फिट

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मध्य क्रम के बल्लेबाज केदार जाधव को फिट घोषित कर दिया गया है। उन्हें वर्ल्ड कप के लिए चुना गया था और वह आईपीएल के दौरान चोटिल हो गए थे। वह 22 मई की सुबह ही बाकी की टीम के साथ ही वर्ल्ड कप में शामिल होने के लिए लंदन रवाना होंगे। आईपीएल में चेन्ने सुपर किंग्स के साथ आखिरी लीग के मैच के दौरान ही यह 34 साल का क्रिकेटर चोटिल हो गया था। जाधव ने छलांग लगाकर ओवरथ्रो रोकने की कोशिश की थी। इसी प्रक्रिया में उनके कंधे में चोट लग गई थी। वह इसके बाद आईपीएल में नहीं खेले।

आज का राशिफल

मेषः- कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में रुके काम पूर्ण होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आय के साधनों में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

वृषः- यात्रा सफल रहेगी। किसी व्यक्ति से धोखा खा सकते हैं। भूमि व भवन संबंधी काम लाभदायक रहेंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुनः- विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेगा। किसी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

कर्कः- कोई पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। किसी व्यक्ति से व्यर्थ ही विवाद हो सकता है। भावना में बहकर कोई निर्णय न लें।

सिंहः- व्यस्तता के चलते थकान रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्य पूरे होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

कन्याः- घर में अतिथियों का आगमन होगा। उन पर व्यय होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुलाः- किसी काफी समय से अटके काम के पूरे करने में सफलता मिलेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिकः- किसी पुराने रोग से परेशानी हो सकती है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है। विवेक से कार्य करें।

धनुः- शत्रु शांत रहेंगे। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकरः- परिवार के छोटे सदस्यों की स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी।

कुंभः- किसी तीर्थस्थान का दर्शन-भ्रमण हो सकता है। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी विद्वान व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है।

मीनः- प्रयास असफल रहेंगे। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका है। जल्दबाजी न करें। किसी अपने ही व्यक्ति का व्यवहार विरुद्ध होगा। मानसिक कष्ट होगा।

गर्मियों में तरबूज कॉर्न सलाद बनाने विधि...

गर्मियों में कुछ हेल्दी खाना चाहती हैं तो तरबूज कॉर्न सलाद बना सकती हैं.

सामग्री

'तरबूज के टुकड़े- 2 कप 'स्वीट कॉर्न- 1 कप

ड्रेसिंग के लिए 'तुलसी के पत्ते (धोकर काट लें)- 1/4 कप 'पुदीना के पत्ते (धोकर काट लें)- 1/4 कप 'नीबू का रस- 1 चम्मच 'नमक स्वादानुसार 'काली मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच 'ऑलिव ऑयल- 1 चम्मच

'शहद- 1 छोटा चम्मच

विधि

स्वीट कॉर्न को आधा कप पानी के साथ कुकर में डालें व एक सीटी लगाएं . कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें . कॉर्न को पानी से निकालें व ठंडा होने दें . एक बरतन में कॉर्न व तरबूज डालें व ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें . सलाद की ड्रेसिंग तैयार करने के लिए ग्राइंडर में तुलसी, पुदीना, नीबू का रस, काली मिर्च पाउडर, नमक, ऑलिव तेल व शहद डालें व पीस लें . तैयार ड्रेसिंग को कॉर्न और तरबूज वाले बरतन में डालकर मिलाएं व सर्व करें .

शब्द सामर्थ्य-68

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

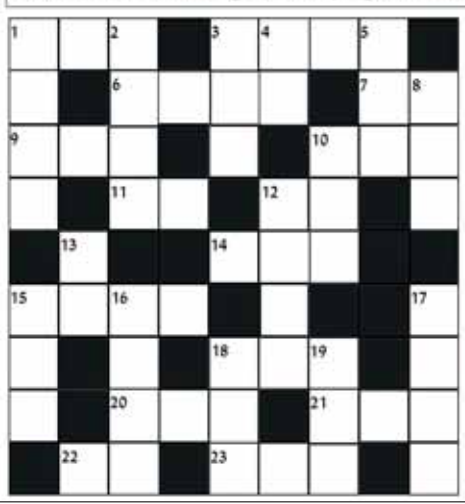

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 67 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 68

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.67 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6